A-0420

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

PJ-102

फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (CPJ/DPJ)

1st Sem./ 1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. ज्योतिष शास्त्र का परिचय दीजिये?

Q.2. चन्द्रमा का द्वादश भावों में क्या फल होता है। लिखिये?

Q.3. ग्रहों की अवस्था को विस्तार पूर्वक लिखिए।

Q.4. नक्षत्र एवं योग की सैद्धान्तिक विवेचना कीजिए।

Q.5. लग्नेश के लग्नादि द्वादशभावगत फल को लिखिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. सूर्यमहादशा में शनि, बुध, केतु के फल को प्रतिपादित करें।

Q.2. मंगल व गुरू के स्वरूप को निरूपित करें?

Q.3. स्थिर राशियों का स्वरूप एवं शुभाशुभ फल प्रतिपादित कीजिए।

Q.4. नक्षत्र का परिचय देते हुए, उनके शुभाशुभ फल का उल्लेख कीजिए।

P.T.O.

Q.5. ग्रहों के उच्च–नीच, मूलत्रिकोण व नैसर्गिक मित्रता को परिभाषित कीजिये?

Q.6. मालव्य एवं शश योग का उदाहरण सहित लेखन कीजिए।

Q.7. केन्द्र में बृहस्पति ग्रह का फलादेश लिखिए।

Q.8. गजकेसरी योग का उदाहरण सहित लेखन कीजिए।

****